भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2454

शुक्रवार, 13 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

उद्योगों पर एआई का प्रभाव

2454. श्री संदोष कुमार पीः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय उद्योगों की संधारणीयता पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन कराया है;

(ख) यदि हां, तो भारतीय उद्योगों के भविष्य पर एआई अनुप्रयोग का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव क्या है;

(ग) क्या सरकार ने स्वदेशी उद्योगों में एआई के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए कोई उपचारात्मक उपाय शुरू किए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): सरकार नीतिगत पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास और इसे अपनाने की प्रक्रिया को सुगम बना रही है। इसमें इंडिया एआई मिशन भी शामिल है, जिसका उद्देश्य देश में एआई ईकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाना है।

एआई के प्रयोग से, उत्पादकता, प्रचालन दक्षता, गुणवत्ता वृद्धि, नवप्रयोग और संसाधनों के उपयोग को इष्टतम बनाने की दिशा में सुधार के माध्यम से भारतीय उद्योग जगत के प्रति सकारात्मक योगदान की संभावना है। यह भी स्वीकार किया जाता है कि कार्यबल ट्रांजिशन सबंधी अपेक्षाओं, उन्नत डिजिटल क्षमताओं की आवश्यकता, डाटा संबंधी मुद्दों और उभरते विनियामक तथा नैतिक विषयों से जुड़ी कुछ चिंताएं भी हैं। सरकार ने, स्वदेशी उद्योगों के मामले में एआई प्रौद्योगिकियों को जिम्मेदारीपूर्वक और समावेशी रूप से अपनाने को सक्षम बनाने के लिए उपाय किए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक सुदृढ़ और समावेशी एआई ईकोसिस्टम स्थापित करने की रणनीतिक पहल के रूप में 7 मार्च, 2024 को इंडिया एआई मिशन को अनुमोदन प्रदान किया है। यह मिशन, कंप्यूटिंग अवसंरचना, डाटा ईकोसिस्टम, अनुसंधान और नवप्रयोग, कौशल विकास, स्टार्टअप को सहायता और जिम्मेदार एआई पद्धतियों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुनियादी पिलर्स के माध्यम से भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अग्रणी देश के रूप में स्थापित करने के विजन पर आधारित है।

इस मिशन का प्रयास कंप्यूटिंग संसाधनों तक अधिकाधिक लोगों की पहुंच बढ़ाकर, डाटासेट की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार करके, घरेलू एआई क्षमताओं को बढ़ावा देकर, साझेदारी को प्रोत्साहन प्रदान करके, नवप्रयोग तथा उद्यमिता को सहायता प्रदान करके, और नैतिक व भरोसेमंद एआई को बढ़ावा देकर, भारत के एआई परिदृश्य के व्यापक और समावेशी विकास को संभव बनाना है।

इंडियाएआई मिशन में शामिल 7 प्रमुख पिलर्स निम्नानुसार हैं:

i. **इंडियाएआई कंप्यूटिंग क्षमता:** इसका उद्देश्य, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप सहित सभी के लिए किफायती लागत पर उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) उपलब्ध कराना है;

ii. **इंडियाएआई फाउंडेशन मॉडल**: इसका उद्देश्य, भारतीय डाटासेट और भाषाओं पर प्रशिक्षित भारत का अपने व्यापक मल्टीमोडल मॉडल (एलएमएम) तैयार करना है। इसका उद्देश्य जनरेटिव एआई के क्षेत्र में स्वतंत्र क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करना है;

iii. **एआईकोष:** इसका उद्देश्य, एआई मॉडलों को प्रशिक्षित करने के लिए व्यापक डाटासेट तैयार करना है। एआईकोष एक एकीकृत डाटा प्लेटफॉर्म है, जो सरकारी और गैर-सरकारी स्रोतों से डाटासेटों को एकीकृत करता है;

iv. इंडियाएआई एप्लीकेशन विकास पहल: इस पिलर का उद्देश्य, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, गवर्नेंस और सीखने संबंधी अक्षमताओं के लिए सहायक प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में भारत की विशिष्ट चुनौतियों हेतु एआई एप्लीकेशन विकसित करना है;

v. इंडियाएआई से भावी कौशल: इसका उद्देश्य, एआई क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी धारकों की संख्या बढ़ाकर भारत में एआई कौशल से युक्त प्रोफेशनल्स को तैयार करना है। इसके अंतर्गत, भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों में डाटा और एआई लैब स्थापित करने की भी परिकल्पना की गई है;

vi. इंडियाएआई स्टार्टअप वित्तपोषण: इसका उद्देश्य, एआई स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करना है;

vii. सुरक्षित और भरोसेमंद एआई: इसका उद्देश्य, एआई को जिम्मेदारी की भावना से अपनाना सुनिश्चित करने के लिए नवप्रयोग और सुदृढ़ गवर्नेंस फ्रेमवर्क के बीच संतुलन बनाना है।

*****